No. of Printed Pages : 8

BPYC–131

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

PHILOSOPHY

(BDP)

Term-End Examination

December, 2024

BPYC–131 : INDIAN PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the* ***five*** *questions. All questions carry equal marks. Answer to question no. 1 and* ***2*** *should be in about* ***400*** *words each.*

1. Do you agree that "Indian philosophy is pessimistic and escapist" ? Substantiate your answer. 20

Or

Write a detailed note on the idea of perception in Nyāya philosophy. 20

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. Write an essay on four noble truths (Catu Ārya Satya) of Buddhism. 20

Or

Explain and evaluate Anekāntavāda of Jain philosophy. 20

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

(a) Write a note on the philosophical implications of 'Tajjalaniti'. 10

(b) Explain briefly the nature of Mokśa (Liberation) in Madhva's philosophy. 10

(c) How does Sāṁkhya philosophy prove the existence of Puruṣa ? 10

(d) What is Vivartavāda ? Distinguish it from Parināmavāda. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

(a) Distinguish between Satkāryavāda and Asatkāryavada. 5

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(b) What is the nature of ultimate reality, according to Vallabhāchārya ? Discuss briefly. 5

(c) Critically evaluate the idea of Śabda Pramāṇa of Nyāya philosophy. 5

(d) What is the nature of reality, according to Śaṁkara's philosophy ? Discuss briefly. 5

(e) What are the salient features of Cārvaka metaphysics ? Discuss briefly. 5

(f) What is Yathārtha Jñāna, according to Nyāya philosophy ? Describe. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Parārthānumāna 4

(b) Smṛti 4

(c) Vedāṇga 4

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(d) Sāmānyalakśaṇa perception 4

(e) Avidyā 4

(f) Upaniśad 4

(g) Tattvamasi 4

(h) Mahākāvya 4

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

BPYC–131

स्नातक उपाधि कार्यक्रम दर्शनशास्त्र

(बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.पी.वाई.सी.–131 : भारतीय दर्शन

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न क्रमांक* ***1*** *व* ***2*** *के उत्तर लगभग* ***400–400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. क्या आप इस बात से सहमत हैं कि ''भारतीय दर्शन निराशावादी और पलायनवादी है'' ? अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। 20

अथवा

न्याय दर्शन में प्रत्यक्ष के विचार पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। 20

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. बौद्ध दर्शन के चार आर्य सत्यों पर निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

जैन दर्शन के अनेकान्तवाद की व्याख्या और मूल्यांकन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(क) 'तज्जलानिति' के दार्शनिक निहितार्थों पर टिप्पणी लिखिए। 10

(ख) मध्व के दर्शन में मोक्ष की प्रकृति को संक्षेप में समझाइए। 10

(ग) सांख्य दर्शन पुरुष का अस्तित्व कैसे सिद्ध करता है ? 10

(घ) विवर्तवाद क्या है ? परिणामवाद और विवर्तवाद में अंतर कीजिए। 10

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(क) सत्कार्यवाद और असत्कार्यवाद के मध्य अन्तर कीजिए। 5

(ख) वल्लभाचार्य के अनुसार परम सत् की प्रकृति क्या है ? संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

(ग) न्याय दर्शन में शब्द प्रमाण के विचार का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 5

(घ) शंकर के दर्शन के अनुसार सत् की प्रकृति क्या है ? संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5

(ङ) चार्वाक तत्वमीमांसा की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ? संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5

(च) न्याय दर्शन के अनुसार यथार्थ ज्ञान क्या है ? वर्णन कीजिए। 5

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100-100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) परार्थानुमान 4

(ख) स्मृति 4

(ग) वेदांग 4

(घ) सामान्यलक्षण प्रत्यक्ष 4

(ङ) अविद्या 4

(च) उपनिषद् 4

(छ) तत्वमसि 4

(ज) महाकाव्य 4

,

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com